ज्ञान क्रान्ति परिवार

बनारस चौक अम्बिकापुर सरगुजा छत्तीसगढ 497001

प्रिय बन्धु

ज्ञानतत्व के पिछले अंक मे आपको सूचित किया गया था कि पंद्रह सितम्बर से तेइस सितम्बर तक के नौ दिनो मे रामानुजगंज षहर मे एक वैचारिक बहु उदेष्यीय संगम का कार्यक्रम सम्पन्न होने जा रहा है जिसकी सम्पूर्ण वयवस्था ज्ञान क्रान्ति परिवार के साथ मिलकर रामानुजगंज नागरिक समिति कर रही है। कार्यक्रम की विस्तृत रूप रेखा इस प्रकार है।

ज्ञान तत्व पढते रहने से आप परिचित होंगे कि बजरंग मुनि जी एक विष्व स्तरीय मौलिक चिन्तक हैं। इन्होने कई राष्ट्रीय अंतराष्ट्रीय विषयों पर मौलिक विचार प्रस्तुत किये। इन्होने परिवार से समाज तक की विभिन्न इकाइयो मे प्रयोग भी किये तथा प्रमाणित किया कि वर्तमान में समाज में व्याप्त अधिकांष समस्याओं का कारण राज्य और समाज के बीच बढता असंतुलन ही है। उन्होने पचपन वर्षो तक निरंतर चिन्तन तथा प्रयोग द्वारा समाज को नई दिषा देने का प्रयत्न किया। मुनि जी की खास विषेषता रही कि वे हमेषा ही प्रचार माध्यमो से दूर रहे। यही कारण रहा कि समाज पर उनके चिन्तन का व्यापक प्रभाव पडने के बाद भी वे लगभग निर्लिप्त रहे।

मुनि जी ने पच्चीस दिसम्बर दो हजार आठ से दिल्ली छोडकर अम्बिकापुर में वानप्रस्थी के रूप मे रहना षुरू किया। यहॉ रहते हुए भी वे ग्राम सभा सषक्तिकरण के एक सौ तीस गावों मे प्रयोग का मार्ग दर्षन करते रहे। अभी–अभी उन्होने नवंबर–दिसम्बर में दो माह की उत्तर भारत की यात्रा करके लोकस्वराज्य के लिये लोकसंसद की आवष्यकता प्रतिपादित की। अब उनकी इच्छा है कि वे अपनी सक्रियता का सारा दायित्व हम सब पर छोडकर स्वंय ज्यादा समय मौलिक चिन्तन में लगावें। हम सब का भी कर्तव्य है कि हम उनकी इच्छानुसार मिल–जुलकर यह दायित्व स्वीकार करे तथा उनकी अन्तिम इच्छा पूर्ण करें। इस तरह हम इक्कीस तारीख को मुनि जी के इच्छा पूर्ति यज्ञ मे षामिल हो सकेंगे।

इन नौ दिनों में देष भर से आये विद्वानो के विचार भी निरंतर सुनने को मिलेंगे। सुप्रसिद्ध वैदिक विद्वान ब्रम्हचारी राजसिंह जी आर्य ने यज्ञ सम्पन्न कराने की सहमति दी हैं।यज्ञ के साथ–साथ प्रांरभिक सात दिनों तक आप ब्रम्हचारी जी के नेतृत्व में वेद कथा तथा भजन प्रवचन का लाभ ले सकेंगे। यह वेद कथा का अवसर भी इस क्षेत्र के लिये अभूत पूर्व ही होगा।

सुप्रसिध्द राम कथा विषेषज्ञ आदरणीय विजय कौषल जी महाराज इस अवसर पर सात दिनों तक राम कथा के माध्यम से हम सबका मार्ग दर्षन करेंगे। विजय कौषल जी महाराज परिवार और समाज को केन्द्र बनायेंगे। विजय कौषल जी के नेतृत्व मे वृंदावन से आई टीम आपका भरपूर ज्ञान वर्धन करेगी।

बजरंग मुनि जी स्वंय मे एक गंभीर विचारक हैं। पंद्रह सितम्बर से बीस सितम्बर तक के छ दिनों में वे भी आपके समझ ज्ञान कथा के रूप में समाज और राज्य के सम्बन्धों पर अपने विचार रखेंगे। मुनि जी की ज्ञान कथा में श्रोताओं को भी प्रष्न करने की पूरी–पूरी छूट देने की व्यवस्था की जायगी जिससे विचार मंथन अधिक लाभदायक हो सके।

इक्किस सितम्बर को इच्छा पूर्ति यज्ञ के समय रामानुजगंज मे एक ज्ञानकेन्द्र भवन का भी षिलान्यास कराने की योजना है। यह भवन भी बहु उदेष्यीय होगा। उक्त निर्मित भवन के संचालन की व्यवस्था पर भी उसी दिन चर्चा हो सकेगी।

भारत मे व्याप्त अनेक समस्याओं के समाधान की षुरूआत ग्राम सभा सषक्तिकरण से ही संभव है। ग्राम सभा को मजबूत करना नई समाज रचना का सफल प्रयोग है। रामानुजगंज के आसपास के एक सौ तीस गावों मे यह प्रयत्न चल रहा है। वाराणसी के अविनाष भाई तथा दुर्ग के राकेष षुक्ल जी अन्य साथियों को जोडकर इस प्रयोग में लगातार सक्रिय हैं। जहॉ सम्पूर्ण भारत में हिंसक नक्सलवाद एक समस्या के रूप मे फैलता जा रहा है वहीं छत्तीसगढ के इस क्षेत्र में आष्चर्य जनक रूप से नक्सलवाद अपनी अन्तिम सांसे गिन रहा है। जॅहा सम्पूर्ण भारत मे लगातार भ्रष्टाचार बढता जा रहा है वही आष्चर्य जनक रूप से इस क्षेत्र में भ्रष्टाचार घटता जा रहा है। अभी–अभी दो माह पूर्व भारत सरकार ने भ्रष्टाचार पर एक राष्ट्रव्यापी सर्वे कराया और पाया कि सम्पूर्ण भारत मे नरेगा के अन्तर्गत सबसे अच्छी व्यावस्था का श्रेय हमारे सरगुजा जिले को ही है।राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल जी ने इस जिले को सर्वश्रेष्ट घोषित करते हुए सम्मानित किया। प्रमाणित हुआ कि समाज और राज्य के बीच बेहतर तालमेल के परिणाम स्वरूप नक्सलवाद भ्रष्टाचार ,जातिवाद,साम्प्रदायिकता जैसी गंभीर समस्याओ पर एक सौ तीस गावों में ग्रम सभा सषक्तिकरण अभियान अंकुष लगाने में सफल हो सकता है तो वह पूरे देष में भी प्रयोग के रूप में बढ सकता है।

आप इन नौ दिनों मे एक सौ तीस गावों में घूम–घूम कर आकलन कर सकेंगे। भ्रमण की व्यवस्था हम करेंगे। आपके सर्वे के बाद इक्कीस या बाइस तारीख को बैठकर आगे की योजना बनेगी कि ग्रम सभा सषक्तिकरण को आधार बनाकर नई समाज रचना की दिषा में किस तरह बढा जा सकता है।

आप सब जानते होंगे कि अपने तिहत्तर वर्ष की उम्र तथा पचपन वर्षों के सामाजिक जीवन में मुनि जी ने किसी से कुछ नहीं मांगा। किसी भी कार्य के लिये उन्होने कभी चन्दा इक्कठा नहीं किया। उनका मानना रहा है कि चन्दा मांगकर सामाजिक कार्य करने में लाभ कम तथा हानि की संभावना ज्यादा होती है। इक्कीस तारीख को वे ज्ञान केन्द्र को अपनी संचित राषि दान देकर मुक्त हो जायंगे। स्वाभाविक हैं कि भविष्य में ज्ञान तत्व पाक्षिक की आर्थिक व्यावस्था भी हम सब को हो सम्हालनी है। इक्कीस तारीख को ही हम सब बैठकर यह विचार करेंगे कि इस व्यवस्था को आगे किस तरह व्यवस्थित करना है।

मुनि जी ने यह भी बताया है कि समाज सषक्तिकरण के साथ–साथ राज्य कमजोरीकरण का काम भी चलते रहना चाहिये। राज्य कमजोरीकरण की दिषा में लोक संसद के विचार की पहल की जा सकती है। बाइस सितम्बर को लोक संसद विषय पर दिन भर चर्चा होगी। लोक स्वराज्य मंच लोक संसद का विचार बढा रहा है। बाइस तारीख की चर्चा में लोक संसद के विचार को आगे बढाने के विषय में चर्चा होगी। इसी चर्चा मे अन्ना जी के आन्दोलन की भी चर्चा जुड सकती है।

तेइस सितम्बर को यज्ञ समापन आम सभा के रूप मे सम्पन्न होगा। इस दिन हम नौ दिनों के निष्कर्ष समाज के समझ घोषित करेंगे।

इस तरह नौ दिनों का बहु उदेष्यीय संगम का कार्यक्रम सम्पन्न होगा। मुनि जी की योजनाअनुसार उनका यह अन्तिम कार्यक्रम होगा जिसमे वे चिन्तन के अतिरिक्त अन्य सक्रियता हम सबको समर्पित करने की सोच रहे है। इसलिये उचित होगा कि आप सब देष भर के साथी ज्यादा से ज्यादा संख्या मे रामानुजगंज आने की कृपा करें। बिल्कुल नये लोग भी आवें तो अच्छा होगा।

मैं ज्ञान क्रान्ति परिवार तथा नागरिक समिति की ओर से आप सब को अधिक से अधिक संख्या मे रामानुजगंज आने हेतु आमंत्रित कर रहा हूँ। आषा है कि आप आने की कृपा करेंगे।

अभ्युदय द्विवेदी , फोन न0–9302811720
महासचिव
कार्यालय का नम्बर
9575566074

विशेष सुचनाएं

(1) हमने आपको सूचना दी थी कि ए टू जेड टी वी मे प्रत्येक शनिवार को शाम साठे आठ बजे मुनि जी के साथ टी बी वाले की किसी एक विषय पर चर्चा प्रसारित होती हैं। यह चैनल डिस एंटिना मे पाच सौ उन्यासी (579) नम्बर चैनल पर तथा रिलाइंस के बीग टी बी पर चार सौ पचीस (425) नम्बर चैनल पर आता है। दूसरे दिन या तीसरे दिन वही कार्यक्रम किसी समय दुबारा भी दिखाया जाता है। उस कार्यक्रम का समय अब शनिवार को शाम साठे आठ से बदलकर शाम आठ बजे हो गया हैं । इस तरह अब कार्यक्रम आधे घंटें पूर्व ही शुरू हो जाता है। आप अपना समय सुधार कर ले ।

(2) ज्ञान तत्व के नये पाठको के नाम भी अधिक से अधिक भेजने की कृपा करे ।